न्यूज़ बुलेटिन :

सन्मार्ग

वर्ष–3 अंक–23

कालीचरण पी0जी0 कॉलेज, लखनऊ की प्रस्तुति

मासिक – अप्रैल, 2025

कालीचरण पी०जी० कॉलेज

हरदोई रोड, चौक, लखनऊ–226003

(लखनऊ विश्वविद्यालय)

सत्र का उद्देश्य

- पढ़ने और सीखने की प्रवृत्ति को रूचिकर बनाना
- शिक्षा को रोजगारोन्मुख बनाना
- देश और मानवता के हित में अपने को योजित करना
- नैतिक और धार्मिक मूल्यों का अवगाहन

प्रबन्धक
इं0 वी0 के0 मिश्र

प्राचार्य
प्रो0 चन्द्र मोहन उपाध्याय

सम्पादकीय

सम्पादक
राजीव यादव

उप–सम्पादक
नितिन कुमार सिंह

सहयोग
पुष्पेन्द्र कुमार

Events at College

कालीचरण महाविद्यालय माननीय लालजी टण्डन की जयंती मनायी गयी।

कालीचरण महाविद्यालय में दिनांक 12.04.2025 को माननीय लालजी टण्डन की जयंती मनायी गयी। इस अवसर पर प्रबंध इं0 वी0के0 मिश्र, प्राचार्य प्रो0 चन्द्र मोहन उपाध्याय और महाविद्यालय के समस्त प्राध्यापक उपस्थित रहे।

कालीचरण महाविद्यालय में 'भारतीय ज्ञान परम्परा : विविध आयाम' विषय पर 'एक दिवसीय राष्ट्रीय–संगोष्ठी'

कालीचरण पी जी कॉलेज में जोनल सांसद खेल महाकुंभ का आयोजन

कालीचरण पी जी कॉलेज लखनऊ में संसद खेल महाकुंभ 2025 के अंतर्गत जोन 6 की जोनल प्रतियोगिता का आयोजन दिनांक 9 अप्रैल से 12 अप्रैल 2025 तक महाविद्यालय और चौक स्टेडियम में किया गया। इस प्रतियोगिता में सीनियर वर्ग के हॉकी, फुटबॉल, वॉलीबॉल, कबड्डी, बास्केटबॉल, एथलेटिक्स, ताइक्वांडो और बॉक्सिंग जैसे खेलों का आयोजन किया गया। नगर निगम के जोन 6 के क्षेत्र में आने सभी महाविद्यालयों ने इस प्रतियोगिता में प्रतिभाग किया। हॉकी, फुटबॉल, कबड्डी, बास्केटबॉल, ताइक्वांडो और बॉक्सिंग में कालीचरण पी जी कॉलेज ने जीत हासिल कर जिला स्तरीय सांसद खेल महाकुंभ के लिए क्वालीफाई किया। वहीं वॉलीबॉल के फाइनल मैच में भालचंद्र महाविद्यालय ने कालीचरण पी जी कॉलेज को पराजित कर जिला स्तरीय प्रतियोगिता के लिए पात्रता हासिल की। एथलेटिक्स में भी कालीचरण पी जी कॉलेज के लगभग 16 (पुरुष) और 11 महिला खिलाड़ियों ने विभिन्न स्पर्धाओं में जीत कर जिला स्तरीय प्रतियोगिता में अपना स्थान पक्का किया

'संविधान निर्माता बाबा साहब डॉ0 भीमराव अम्बेडकर' (जयंती–14.04.2025) के उपलक्ष्य में क्विज़ कम्पटीशन आयोजित हुई।

राजनीति विज्ञान विभाग द्वारा दिनाँक 15.04.2025 को प्रातः 11:00 बाबू से बाबू श्यामसुन्दरदास सभागार में **'संविधान निर्माता बाबा साहब डॉ0 भीमराव अम्बेडकर'** की जयंती–14.04. 2025 के अवसर पर **क्विज़ कम्पटीशन** आयोजित हुई। कम्पटीशन के प्रथम चरण में निम्न प्रतिभागी सफल हुए। सफल प्रतिभागियों की द्वितीय चरण की परीक्षा दिनाँक 19.04.2025 को 12:30 से राजनीति विज्ञान विभाग में आयोजित की गयी।

सफल प्रतिभागी – सौरभ दूबे, बी0ए0 तृतीय सेमेस्टर, दानिया रिज़वी, एम0ए0 द्वितीय सेमेस्टर, रिंकी रावत, बी0ए0 षष्टम् सेमेस्टर, अभिनेन्द्र मौर्या, बी0ए0 तृतीय सेमेस्टर, अभिषेक यादव, बी0ए0 द्वितीय सेमेस्टर, अवधेश एम0ए0 चतुर्थ सेमेस्टर, हसी जौहरी, बी0ए0 षष्टम् सेमेस्टर, सत्यम शर्मा, बी0ए0 तृतीय सेमेस्टर, सोमपाल और राहुल, बी0ए0 चतुर्थ सेमेस्टर।

बाबू श्याम सुन्दर दास सांस्कृतिक मंच के द्वारा गायन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

महाविद्यालय में आज दिनांक 21.04.2025 को बाबू श्याम सुन्दर दास सांस्कृतिक मंच के द्वारा बाबू श्याम सुन्दरदास सभागार में गायन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में महाविद्यालय के छात्र–छात्राओं ने अपने मधुर स्वरों से सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया। प्रतियोगिता का शुभारंभ कालेज के प्राचार्य प्रो0 चन्द्र मोहन उपाध्याय के स्वागत भाषण से हुआ। उन्होंने विद्यार्थियों की सांस्कृतिक प्रतिभा को निखारने के लिए ऐसे आयोजनों के महत्व पर प्रकाश डाला। इसके बाद प्रतिभागियों ने शास्त्रीय, अर्धशास्त्रीय और आधुनिक गीतों की मनमोहक प्रस्तुतियाँ दीं। कार्यक्रम के निर्णायकों में समाजशास्त्र विभाग की प्रो0 मीना कुमारी और वाणिज्य विभाग की डॉ0 रश्मि मिश्रा ने प्रतिभागियों के स्वर, सुर, लय और अभिव्यक्ति का गहनता से मूल्यांकन किया।

जुबैरिया, बी0ए0 द्वितीय वर्ष, ने प्रथम पुरस्कार, सैफ, बी0कॉम प्रथम वर्ष ने द्वितीय और राहुल, बी0ए0 द्वितीय वर्ष और तूबा अतीक ने तृतीय पुरस्कार प्राप्त किया। कार्यक्रम के अन्त में सांस्कृतिक समिति की समन्वयक डॉ0 अल्का द्विवेदी ने सभी प्रतिभागियों और आयोजक टीम को बधाई दी। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजन विद्यार्थियों के आत्मविश्वास को बढ़ाते हैं और कालेज का सांस्कृतिक वातावरण समृद्ध करते हैं।

कालीचरण पी0 जी0 कॉलेज, लखनऊ में 'पूर्व छात्र सम्मेलन–2025'

आज दिनांक 22–4–2025 को कालीचरण पी0 जी0 कॉलेज, लखनऊ में 'पूर्व छात्र सम्मेलन–2025' का सफल आयोजन किया गया। कार्यक्रम में जीवन और समाज के विविध क्षेत्रों में अपना स्थान बना चुके विद्यार्थियों ने पूरे उत्साह से भाग लिया और अपने अनुभवों को साझा किया। कार्यक्रम का शुभारंभ सरस्वती वंदना और स्वागत गीत से हुआ। सभी का स्वागत करते हुए महाविद्यालय के प्रबंधक इं0 वी0 के0 मिश्र जी ने कहा कि जो महाविद्यालय अपने पुरातन छात्रों से संवाद बनाकर रखते हैं और उनके अनुभवों से सीखते हैं, वो अवश्य ही प्रगति के पथ पर आगे बढ़ते हैं। महाविद्यालय की प्रगति में हम आपके सुझावों और सहयोग की अपेक्षा करते हैं। अगले वर्ष इस कार्यक्रम को और भी भव्य रूप दिया जाएगा आप सभी अपने परिवार सहित आए, जिससे बच्चे भी देख सकें कि उनके माता–पिता ने जहाँ से अपना कैरियर प्रारंभ किया था, वो कैसा है। अगली बार हम विदेशों में रह रहे पुरातन छात्रों को भी महाविद्यालय से जोड़ने का प्रयास करेंगे।

राष्ट्रीय प्रधान संघ के अध्यक्ष डॉ0 अखिलेश सिंह अपने शिक्षको प्रो0 मीना कुमारी, प्रो0 अर्चना मिश्रा आदि को अपने समक्ष पाकर और पुरानी स्मृतियों को याद करते हुए भावुक हुए। उन्होंने कहा कि महाविद्यालय की प्रगति के लिए किसी न किसी ने तो हाथ बढ़ाया होगा और बहुतों ने उस हाथ को थामा होगा, तब महाविद्यालय का यह स्वरूप हमारे सामने आया है। हमारा महाविद्यालय टॉप फाइव में शामिल हो यही कामना है।

ख्वाजा मोइनुद्दीन चिस्ती भाषा विश्वविद्यालय के वाणिज्य विभाग के असि0 प्रो0 डॉ0 नीरज शुक्ला जी ने कहा कि मैं यहाँ B-Com का विद्यार्थी रहा और 8 वर्ष तक शिक्षक के रूप मे सेवा दी। उसके बाद विश्विद्यालय में आ गए लेकिन आज भी हमारी पहचान कालीचरण वाले डॉ0 नीरज शुक्ला से ही होती है। छात्र और शिक्षक दोनों भूमिकाओं में खुद को पाकर सुखद अनुभव हो रहा है महाविद्यालय के पूर्व छात्र और क्षेत्रीय पार्षद श्री अनुराग मिश्रा जी ने प्रबन्धक महोदय को शाल ओढ़ाकर सम्मानित किया।

महाविद्यालय के पूर्व छात्र संघ अध्यक्ष और महामंत्री रहे सुनील मौर्य जी ने अपनी बात रखते हुए कहा कि जिस महाविद्यालय में हम वाटर कूलर, फर्नीचर जैसी मूल–भूत सुविधाओं के लिए लड़ते थे आज वो सभी सुविधाएं महाविद्यालय में उपलब्ध हैं। जो आचरण विद्यार्थी जीवन में किया उसके लिए सभी गुरूजनों से क्षमा मांगने का मन हो रहा है, क्योंकि आज जो कुछ भी हूं, वह इस महाविद्यालय की देन है। पूर्व छात्रा शिवानी पाण्डेय ने कहा कि महाविद्यालय के शिक्षकों का जो मार्गदर्शन और सहयोग प्राप्त हुआ, उसी की बदौलत आज हम सफलता के शिखर पर पहुँचे है।

सभी का धन्यवाद ज्ञापित करते हुए महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो0 चंद्र मोहन उपाध्याय ने कहा कि महाविद्यालय की प्रगति में पुरातन छात्रों की महती भूमिका होती है। आप सभी का सहयोग यूँ ही मिलता रहेगा तो हम निश्चय ही इसे उन्नति के शिखर पर ले जाएंगे।

कार्यक्रम का सफल आयोजन एवं संचालन 'पूर्व छात्र समिति' के समन्वयक प्रो0 वी0 एन0 मिश्र जी के द्वारा किया गया। कार्यक्रम में अपनी बात रखते हुए आपने कहा कि ये कार्यक्रम तो औपचारिकता है ये महाविद्यालय आपका है और इसकी प्रगति में आप भी सहभागी बने

ये हमारा सौभाग्य होगा। इस कार्यक्रम में पूर्व छात्र नेता योगेश शुक्ला, सोमेश मौर्य, राजकुमार सिंह, अर्जुन साहू, दिव्यांश सिंह, आदि ने अपने अनुभवों को साझा किया। कार्यक्रम में महाविद्यालय के समस्त प्राध्यापक एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

'भारतीय ज्ञान परम्परा : विविध आयाम' विषय पर 'एक दिवसीय राष्ट्रीय–संगोष्ठी' का आयोजन किया गया

दिनाँक 25.04.2025 को **कालीचरण पी0जी0 कालेज लखनऊ** में **'भारतीय ज्ञान परम्परा : विविध आयाम'** विषय पर **'एक दिवसीय राष्ट्रीय–संगोष्ठी'** का आयोजन किया गया संगोष्ठी में गौरवशाली भारतीय शिक्षा व्यवस्था पर चिन्तन किया गया और वाह्य आक्रांताओं मुगलों, अंग्रेजों विशेषकर मैकाले ने हमारी जिस ज्ञान परम्परा को नष्ट किया उसे पुनःस्थापित करने वाले पहलुओं पर विचार किया गया संगोष्ठी का प्रारम्भ सरस्वती वन्दना और स्वागत गीत से हुआ महाविद्यालय के **प्रबन्धक इं0 वी0के0 मिश्र** ने मुख्य अतिथि **प्रो0 जे0पी0 पाण्डेय, कुलपति,** अब्दुल कलाम टेक्निकल यूनिवर्सिटी (AKTU) लखनऊ, मुख्य वक्ता **प्रो0 आर0पी0 मिश्र, पूर्व डीन कुरूक्षेत्र विश्वविद्यालय** का पुष्पगुच्छ, अंगवस्त्र और स्मृतिचिन्ह देकर स्वागत किया। अपने स्वागत उद्बोधन में आपने कहा कि भारत खगोल, वास्तु, ज्योतिष, गणित, विज्ञान चित्रकला, स्थापत्य कला आदि क्षेत्रों में विश्व का मार्ग दर्शक रहा है। हमें अपनी गौरवशाली परम्परा से जुड़कर एक ऐसे राष्ट्र का निर्माण करना है। जो पुनः विश्व का नेतृत्व कर सके। मुख्य अतिथि **प्रो0 जे0पी0 पाण्डेय** ने संगोष्ठी में अपने विचार रखते हुए कहा कि भारतीय ज्ञान परम्परा गुरू केन्द्रित रही लेकिन किन्ही कारणों से बीच में इस परम्परा से हम भटक गये। आज भी देश को चाणक्य जैसे गुरूओं की आवश्यकता है। जो देश को नैराश्य के वातावरण से निकाल कर शिक्षा, संस्कृति और मानवता का विकास कर सके, जिससे एक ऐसे धर्म आधारित समाज का निर्माण हो सके जिसमें राजधर्म, राष्ट्रधर्म, गुरू का धर्म, पिता का धर्म आदि का पालन करने वाले नागरिकों की संकल्पना साकार की जा सके। मुख्य वक्ता के रूप में अपने विचार व्यक्त करते हुए **प्रो0 आर0पी0 मिश्र** जी ने कहा कि भारतीय शिक्षा प्रकृति के साथ समन्वय पर आधारित थी और संवेदना के विकास पर अधिक जोर दिया जाता था। लेकिन वर्तमान शिक्षा प्रणाली में विद्यार्थी सेंवेदनहीन बनाये जा रहे हैं। महाविद्यालय के **प्राचार्य प्रो0 चन्द्र मोहन उपाध्याय** ने संगोष्ठी में आए हुए अतिथियों का स्वागत किया और कहा कि आज की संगोष्ठी पुनर्जागरण की ओर बढ़ने की प्रक्रिया का एक हिस्सा है। शोध की प्रक्रिया से गुजरते हुए हमें स्वयं को विश्वपटल पर स्थापित करना होगा। तभी हम वास्तविक विकास कर पाएंगे।

समापन सत्र में मुख्य अतिथि के रूप में पधारे उत्तर–प्रदेश सरकार के **पूर्व मंत्री प्रो0 सतीश चन्द्र द्विवेदी** ने यूरोपीय देशों की पेटेंट वाली मानसिकता की ओर ध्यान आकर्षिक करते हुए कहा कि भारत का चिन्तन वसुधैव कुटुम्बकम् का है। हमारा ज्ञान सभी के लिए हमारा ज्ञान सभी के लिए जड़ से जग को जोड़ने वाला है। विशिष्ट अतिथि के रूप में सहभागिता कर रहे **प्रबन्ध समिति के सदस्य श्री अमित टण्डन** जी ने कहा कि इस तरह के आयोजन हमें अपनी पुरातन परम्परा से जुड़ने का अवसर प्रदान करते हैं और युवा पीढ़ी का मार्गदर्शन करते हैं।

पैनल डिस्कशन में अपने विचार रखते हुए नवयुग महाविद्यालय की प्राचार्या **प्रो0 मंजुला उपाध्याय** ने कहा कि भारतीय ज्ञान परम्परा में विज्ञान की भी महत्वपूर्ण भूमिका रही है। भारतीय शिक्षा मूल्यों पर आधारित थी। हमें अपने देश को आगे ले जाने के लिए नैतिक अर्थशास्त्र को केन्द्र में रखकर विचार करना होगा। **लुआक्टा के अध्यक्ष प्रो0 मनोज कुमार पाण्डेय** ने कहा कि हमें भारतीय ज्ञान परम्परा के उस पहलू को जानना होगा जिसमें लघु और कुटीर उद्योग अर्थव्यवस्था का आधार होते थे। सत्र में **प्रो0 बीना राय, प्रो0 सारिका दुबे, प्रो0 रचना श्रीवास्तव, प्रो0 अनिल कुमार सिंह** ने भी अपने विचार रखे। पैनल डिस्कशन सत्र का संचालन राजनीतिशास्त्र विभाग के सहायक आचार्य **श्री डी0सी0डी0आर0 पाण्डेय** ने किया।

संगोष्ठी में तीन तकनीकि सत्रों का भी संचालन किया गया। श्यामसुन्दर दास सभागार में तकनीकि सत्र का संचालन प्राचीन भारतीय इतिहास की अध्यक्षा **प्रो0 अर्चना मिश्रा** के द्वारा किया गया और आई0सी0टी0 कॉमर्स विभाग में तकनीकि सत्र का संचालन समाजशास्त्र विभाग की अध्यक्षा **प्रो0 मीना कुमारी** के द्वारा किया गया। इन सत्रों में शोधार्थियों ने अपने शोधपत्रों का वाचन किया और श्रोताओं की जिज्ञासाओं को उचित समाधान प्रस्तुत किया। हिन्दी विभाग के विभागध्यक्ष **प्रो0 मनोज कुमार पाण्डेय** द्वारा संगोष्ठी में आए हुए अतिथियों, शोधार्थियों और छात्रों का धन्यवाद ज्ञापित किया गया। कार्यक्रम का सफल संचालन हिन्दी विभाग के सहायक आचार्य **डॉ0 अरूण कुमार यादव** के द्वारा किया गया। कार्यक्रम के अन्त में संगोष्ठी के सह–संयोजक **डॉ0 मुकेश कुमार मिश्र** के द्वारा रिपोर्ट प्रस्तुत की गयी। आपने बताया कि संगोष्ठी में देश के **15 राज्यों** से लगभग **340 प्रतिभागियों** ने ऑनलाइन/ऑफलाइन सहभागिता की और **190 शोधपत्रों** का वाचन किया गया।

कार्यक्रम में कृष्णा देवी गर्ल्स डिग्री कालेज की प्राचार्या प्रो0 सारिका दुबे, अवध गर्ल्स डिग्री कालेज की प्राचार्या प्रो0 बीना राय, सी0एस0एन0 पी0जी0 कालेज हरदोई के प्राचार्य प्रो0 कौशलेन्द्र सिंह, कालीचरण इण्टर कालेज के प्राचार्य श्री अनिल मिश्रा, महाविद्यालय के प्रो0 वी0एन0 मिश्रा, डॉ0 अल्का द्विवेदी, प्रो0 कल्याणी द्विवेदी, डॉ0 मनीषा सिंह सहित, महाविद्यालय के समस्त शिक्षकगण और विविध महाविद्यालयों से आए हुए शोधार्थी एवं छात्र उपस्थित रहे।

राजनीति विज्ञान विभाग द्वारा 'राष्ट्रीय चेतना की अभिवृद्धि में नेतृत्व की भूमिका' विषय पर विशेष व्याख्यान आयोजित किया गया

दिनांक 30.4.2025 कालीचरण पीजी महाविद्यालय में 'राष्ट्रीय चेतना की अभिवृद्धि में नेतृत्व की भूमिका' विषय पर विशेष व्याख्यान आयोजित किया गया। आयोजन में प्रसिद्ध समाजसेवी श्री अशोक कुमार भार्गव मुख्य अतिथि रहे, आपने अपने संबोधन में विद्यार्थियों से संवाद करते हुए अपने जीवन को सार्थक बनाने और नागरिक के रूप में अपेन कर्तव्यों को पालन करते हुए अपने उत्तरदायित्वों के निर्वहन की चर्चा की साथ ही आनन्दमय जीवन जीने के अनेक टिप्स दिए। उन्हें अपने जीवन को सार्थक कैसे बनाया जाए एक सक्रिय नागरिक के क्या कर्तव्य हैं और सदैव खुश रहने स्वस्थ रहने का मंत्र दिया। आयोजन में उनकी पत्नी श्रीमती रचना भार्गव भी उपस्थित रही। कार्यक्रम में प्राचार्य श्री चंद्र मोहन उपाध्याय और विभाग अध्यक्ष राजनीतिक विज्ञान विभाग डॉक्टर डी सी डी आर ने अपने विचार साझा किए। आयोजन में डॉक्टर मनीषा सिंह, डॉक्टर श्वेता पांडे, डॉक्टर एसपी सिंह प्रमुख रूप से उपस्थित रहें। मंच का संचालन डॉक्टर आदर्श कौशल द्वारा किया गया।

Kalicharan In News Paper

गायन प्रतियोगिता में जुबैरिया अव्वल

■ **NBT** न्यूज, चौकः काली चरण पीजी कॉलेज में सोमवार को बाबू श्याम सुंदर दास सांस्कृतिक मंच ने गायन प्रतियोगिता का आयोजन किया। प्रतियोगिता का शुभारंभ कॉलेज के प्राचार्य प्रो. चंद्र मोहन उपाध्याय ने किया। इसके बाद प्रतिभागियों ने शास्त्रीय, अर्द्धशास्त्रीय और आधुनिक गीतों की प्रस्तुतियां दीं। इसमें बीए द्वितीय वर्ष की छात्रा जुबैरिया को पहला पुरस्कार, बीकॉम प्रथम वर्ष के सैफ को द्वितीय और बीए द्वितीय वर्ष के राहुल, तूबा और अतीक को तृतीय पुरस्कार मिला। कार्यक्रम में प्रो. मीना कुमारी, डॉ. रश्मि मिश्रा, डॉ. अल्का द्विवेदी मौजूद रहीं।

कालीचरण में 1860 सीटों पर प्रवेश को आवेदन शुरू

800 सीटें बीए तो 240 बीएससी में हैं

■ बीकॉम में 360, बीबीए में 60 सीटों पर प्रवेश

लखनऊ, संवाददाता। कालीचरण पीजी कॉलेज में आवेदन शुरू हो गए हैं। प्राचार्य प्रो. चंद्रमोहन उपाध्याय का कहना है कि बीए में 800, बीकॉम में 360, बीबीए में 60, बीएससी में 240, लाइब्रेरी साइंस में 60 सीट हैं।

एमकॉम एप्लाइड इकोनॉमिक्स, एमकॉम प्योर कॉमर्स, एमए हिन्दी और एमए समाजशास्त्र में 60-60 सीटें हैं। जबकि एमए शिक्षाशास्त्र और राजनीति विज्ञान में 50-50 सीट हैं। जिनके लिए आवेदन मांगे गए हैं। प्राचार्य का कहना है कि आवेदन करने से पूर्व एलयू की आधिकारिक वेबसाइट पर एलयूआरएन के लिए पंजीकरण जरूरी है। इसके लिए विवि को ऑनलाइन माध्यम से 100 रुपए शुल्क देय होगा। इसके बाद कॉलेज के किसी भी कोर्स के लिए 600 रुपए शुल्क देकर आवेदन कर सकते हैं।

डॉ अम्बेडकर मैराथन में कालीचरण पीजी कालेज लखनऊ के छात्र पंकज यादव ने तृतीय स्थान हासिल कर जीता 15000 रुपए का पुरस्कार

फर्स्ट एडिटर। लखनऊ। 13 अप्रैल 2025। सांसद खेल महाकुंभ के अन्तर्गत आयोजित प्रतियोगिता में के डी सिंह बाबू स्टेडियम में डॉ अम्बेडकर मैराथन में कालीचरण पीजी कालेज लखनऊ के छात्र पंकज यादव (बी.ए. द्वितीय सेमेस्टर) ने तृतीय स्थान प्राप्त कर 15000 रुपए का पुरस्कार प्राप्त किया। महाविद्यालय के प्रबंधक इं वी के मिश्र तथा प्राचार्य प्रो चन्द्र मोहन उपाध्याय ने इस उपलब्धि पर महाविद्यालय के छात्र एथलीट पंकज यादव को विशेष बधाई दी है तथा खेल के आयोजन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने के लिए प्रो कल्याणी द्विवेदी तथा डॉ मुकेश कुमार मिश्रा, डॉ अरुण यादव एवं डॉ राजकुमार सिंह को बधाई दी है। यह महाविद्यालय परिवार के लिए गर्व का विषय। वहीं दूसरी ओर सेमिफाइनल में बी सी महाविद्यालय की वालीबाल की टीम विजयी रही। कबड्डी में कालीचरण पीजी कालेज लखनऊ को दोहरी सफलता मिली। पुरुष वर्ग में कालीचरण ने यूनिटी कालेज को हराया वहीं महिला वर्ग में कालीचरण ने खुखुनजी गर्ल्स पीजी कॉलेज लखनऊ को हराकर फाइनल में प्रवेश किया। सभी फाइनल मुकाबले केडी सिंह बाबू स्टेडियम में आयोजित किये जायेंगे।

कालीचरण कॉलेज में मिले बिछड़े यार

लखनऊ। चौक स्थित कालीचरण पीजी कॉलेज में मंगलवार को पुरातन छात्र सम्मेलन का आयोजन हुआ। इसमें शहर ही नहीं सुदूर ग्रामीण अंचल के इलाकों से आने वाले पूर्व विद्यार्थियों ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। जब यह छात्र सालों बाद अपने कॉलेज पहुंचे तो उन्हें यकीन नहीं हुआ कि ये वही कॉलेज है जहां कभी उन्होंने अपनी जिंदगी का अहम हिस्सा बिताया था। प्रबंधक इंजी. वीके मिश्रा ने सभी पुरातन छात्रों को कार्यक्रम में शामिल होने के लिए अपनी शुभकामनाएं दीं।

कार्यक्रम

पुरातन छात्र सम्मेलन में मिले बिछड़े यार, कॉलेज में बिताए पुराने लम्हों को किया याद

जिसे कहीं न मिली शरण, उसके लिए कालीचरण

संवाद न्यूज़ एजेंसी

लखनऊ। चौक स्थित कालीचरण पीजी कॉलेज में मंगलवार को पुरातन छात्र सम्मेलन का आयोजन किया गया। इसमें सुदूर ग्रामीण अंचल के इलाकों से आने वाले पूर्व विद्यार्थियों ने भी उपस्थिति दर्ज कराई।

जहां से की पढ़ाई, वहीं बना शिक्षक

कॉलेज ने बख्शी राजनीतिक समझ

यहां के शिक्षकों का जवाब नहीं

जागरण सिटी लखनऊ

लखनऊ, 23 अप्रैल, 20

दिल अब भी 'कालीचरण कालेज' में ही धड़कता है

• कालीचरण पीजी कालेज में भावुक कर देने वाला पूर्व छात्र सम्मेलन-2025

जागरण संवाददाता • लखनऊ: कालीचरण पीजी कालेज के 'पूर्व छात्र सम्मेलन' में मंगलवार को जैसे वक्त ठहर गया हो और पुरानी यादें एक-एक कर आंखों के सामने उतर आई हों। कालेज के प्रांगण में जैसे हर कोना पुरानी कहानियों का गवाह बन गया। कभी क्लास में शरारतें करने वाले, तो कभी चाय पर लंबी बहस करने वाले छात्र अब समाज के अलग-अलग क्षेत्रों में नाम कमा चुके हैं, लेकिन दिल अब भी 'कालीचरण' में ही धड़कता है।

कार्यक्रम की शुरुआत सरस्वती वंदना और स्वागत गीत से हुई। कालेज के प्रबंधक ई. वीके मिश्र ने कहा, 'पूर्व छात्रों से संवाद किसी भी संस्था के भविष्य का आधार होता है। अगले वर्ष इसे और भव्य रूप दिया जाएगा, ताकि अगली पीढ़ी भी हमारे इस गौरव को देख सके।' उन्होंने विदेशों में बसे पूर्व छात्रों को भी इससे जोड़ने की बात कही। फिर पूर्व विद्यार्थी अपनी यादों के पन्ने खोलने लगे। राष्ट्रीय प्रबंधन संघ के संयोजक व पूर्व छात्र डा. अखिलेश सिंह बोले, 'जिस कालेज में संस्कार और शिष्टाचार मिले, उसी ने हमें आज इस मुकाम तक पहुंचाया।' पूर्व छात्र और भाषा विश्वविद्यालय के डा. नीरज शुक्ला ने कालेज की अपनी छात्र और शिक्षक दोनों भूमिकाओं को याद किया। कहा कि आज भी लोग मुझे कालीचरण वाला डा. नीरज कहते हैं। ये पहचान मेरे लिए गर्व की बात है।

कालीचरण पीजी कालेज में पूर्व छात्र सम्मेलन में प्रबंधक वीके मिश्र, प्रो. विश्वनाथ मिश्र, प्राचार्य प्रो. चंद्र मोहन उपाध्याय के साथ पूर्व छात्र-छात्राएं • जागरण